हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार, 9 जून 2025

11 सुरजेवाला ने विदेश नीति पर मोदी सरकार को घेरा

12 अतिक्रमण हटाओ अभियान में आर्यसमाज भी करेगा सहयोग

खबर संक्षेप

जिले में आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि सोमवार को जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित होंगे। जिसमें नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जाएगा। जिला स्तरीय समाधान शिविर लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित होगा, जबकि उपमंडल स्तर पर बहादुरगढ़, बादली और बेरी में भी सुबह दस से बारह बजे तक दो घंटे समाधान शिविर लगाए जाएंगे। जिसमें लोगों की रखी शिकायतों का समाधान तुरंत किया जाएगा। अधिकारी मौके पर लोगों की शिकायतें सुनेंगे व कार्रवाई का आदेश देंगे

दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत 12 को

झज्जर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय तेवतिया के मार्गदर्शन में झज्जर व उपमंडल बहादुरगढ़ में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आगामी 12 जुलाई को किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय तेवतिया ने आह्वान किया कि राष्ट्रीय लोक अदालत को एक उत्सव की तरह मनाना चाहिए और इसमें अधिक से अधिक मामलों का निपटारा करवाने के लिए सभी को बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। लोक अदालत विवादों का निपटारे का सरल व सस्ता माध्यम है।

ठेकेदार के तहत कार्यरत सफाईकर्मियों की हड़ताल छठे दिन भी रही जारी

नेताओं-अफसरों का मुंह बंद, शहर से उठ रही दुर्गंध, लोगों का जीना हराम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

वेतन नहीं मिलने से खफा ठेकेदार के तहत कार्यरत सफाईकर्मियों की हड़ताल रविवार को भी जारी रही। यह समस्या कई महीने से चल रही है। हर बार आंशिक वेतन देकर सफाईकर्मियों को टाल दिया जाता है। लेकिन इस मामले में शासन-प्रशासन द्वारा मुद्दे का स्थाई निवारण नहीं किया जा रहा है। इसका खामियाजा पूरा शहर भुगत रहा है। शहर का हर कोना गंदगी से सडांध मार रहा है। लेकिन सीएम, मंत्रियों और अफसरों के साथ चेहरे चमकाने वाले सभी चर्चा में रहने वाले नेता सफाई संकट का समाधान करवाने में विफल साबित हो रहे हैं। सप्ताहभर से चल रही हड़ताल के कारण शहर की सड़क और गली में गंदगी फैली हुई है। नगर परिषद कार्यालय पर धरना दे रहे कर्मचारियों के तेवर भी गर्म हो रहे हैं। इकाई प्रधान राजेश बालगुहेर ने कहा कि वे बार-बार हड़ताल करके तंग आ चुके हैं। इस बार भी छह दिनों से वेतन के लिए हड़ताल हो रही है। लेकिन कोई नेता और अधिकारी समाधान करवाने के लिए आगे नहीं आ रहा। रविवार को धरने का संचालन सचिव अमित परनाला ने किया। कर्मचारियों ने मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की।

- वेतन न मिलने से सफाई कर्मी नाराज
- कर्मचारी बोले वे बार-बार हड़ताल करके तंग आ चुके

बहादुरगढ़। नगर परिषद के गेट पर नारेबाजी करते हड़ताली सफाईकर्मी।

कर्मचारी संगठन समर्थन देने पहुंचे

इस दौरान सीआईटीयू के जिला उप प्रधान, भवन निर्माण कामगार यूनियन के संजीव कुमार, भारत की जनवादी नौजवान सभा के शुभम यादव, बिजली उपभोक्ता मंच के रामकिशन आदि ने धरने पर पहुंचकर सफाईकर्मियों की मांगों को जायज मानते हुए पुरजोर समर्थन किया। उन्होंने कहा कि इनकी मांगों का समाधान नहीं हुआ तो उनके संगठन भी यहां हड़ताल पर बैठेंगे।

कूड़े के साथ जल रहे एनजीटी के आदेश

सफाईकर्मियों की हड़ताल के कारण दुकानदार बाजार में जला रहे कूड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

दिल्ली से सटा बहादुरगढ़ भी एनसीआर क्षेत्र में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा पर्यावरण बचाओ एक्ट 1986 की धारा-5 के अंतर्गत सख्त निर्देश जारी कर रखे हैं। एनजीटी के भी सख्त नियम हैं। जिसमें वातावरण को प्रदूषित करने वाले सूखे पत्ते, प्लास्टिक, रबड़ या अन्य हानिकारक पदार्थ तथा गंदगी को खुले में जलाने की मनाही है। लेकिन बहादुरगढ़ में सरेआम कूड़ा जलाने का क्रम जारी है। एनजीटी के कड़े नियमों को ताक पर रखकर सेक्टर-9 बाइपास पर कूड़े कचरे व सूखे पत्तों को आग के हवाले किया जा रहा है। इन्हें ना तो नियमों का डर है और ना ही पर्यावरण से कोई सरोकार। बस पर्यावरण के साथ-साथ लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। सफाईकर्मियों की हड़ताल के बीच दुकानदारों द्वारा शहर में पॉलिथिन और प्लास्टिक के कबाड़ को खुले में ही जलाया जा रहा है। इस प्रकार के कई मामले आ चुके हैं। प्लास्टिक में आग लगाने से निकलने वाला काला धुआं सेहत के लिए काफी हानिकारक होता है। इससे कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी भी हो सकती है।

बहादुरगढ़। बाइपास पर सड़क किनारे जलते कूड़े से उठता धुआं।

पार्षद रमन बोले- प्रशासन उदासीन

नगर पार्षद रमन यादव के अनुसार सफाईकर्मियों की हड़ताल के बीच शहर में हर तरफ कूड़ा जलाया जा रहा है। मुख्य बाजारों से लेकर बाइपास तक कूड़ा जलाया जा रहा है। बार-बार ध्यान आकर्षित करने के बावजूद भी प्रशासन उदासीन बना हुआ है। जीवप्रेमी विनोद कुमार के अनुसार कूड़ा-कचरा व सूखे पत्ते आदि को आग के हवाले कर दिया जाता है। धुएं से परेशान स्थानीय लोगों का दम घुटता है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए। डॉ. सुखपाल धारीवाल के अनुसार कूड़ा-कचरा या सूखी पत्तियां जलाने से कार्बन डाईआक्साइड व कार्बन मोनो आक्साइड निकलता है। इससे धूल कण बेहद जहरीले हो जाते हैं। धूल कण जब 10 माईक्रोन से छोटे होते हैं, तो वे सांस लेने के क्रम में फेफड़े में पहुंच जाते हैं। जिस कारण सांस और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों को जन्म देती है। दुकानों के सामान में प्रयोग होने वाली पॉलिथिन को भी बिना किसी डर के जलाया जा रहा है। प्रशासन की तरफ से इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

रसायनों के प्रयोग से बचें किसान : कौशिक

बहादुरगढ़। उपमंडल कृषि अधिकारी डॉ. सुनील कौशिक ने किसानों को फसलों में जहरीले रसायनों का अधिक मात्रा में प्रयोग करने से बचने की सलाह दी है। ज्यादा मात्रा में रसायनों के प्रयोग से जल स्त्रोतों का प्रदूषण बढ़ता है। एसडीओ डॉ. सुनील कौशिक ने समझाया कि पर्यावरण को ठीक रखने के लिए अपने घर व खेतों में अधिक से अधिक कृषि वानिकी संबंधित पौधे लगाएं। ऐसा करने से पर्यावरण सुरक्षा के साथ-साथ किसानों को पशुधन के लिए चारा भी मिल सकेगा। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वे कृषि वानिकी को व्यवसाय के रूप में अपनाएं। साथ ही वे अपनी खेती में अत्याधिक मात्रा में रसायनिक खादों का प्रयोग ना करें। रसायनिक खाद की बजाय किसान अपने खेतों में जैविक खाद तैयार करें। इसके लिए वे सब्जी व फलों के छिलकों तथा बचे खाद्य पदार्थों से पौधों के लिए खाद बनाएं, जो फसलों के साथ-साथ मनुष्य के लिए भी लाभकारी होगी।

70 ग्राम गांजे के साथ युवक गिरफ्तार, केस

बहादुरगढ़। एंटी-नारकोटिक सेल की एक टीम ने मादक पदार्थ गांजे के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एएनसी प्रभारी योमेश कुमार ने बताया कि एक टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कुलदीप निवासी रोहद को 70 ग्राम नशीले पदार्थ गांजे के साथ पकड़ा। उसके विरुद्ध थाना आसौदा में आपराधिक मामला दर्ज किया गया है।

सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन न करने वालों पर पुलिस की पैनी नजर

सख्ती : यातायात पुलिस ने किए 69 वाहन चालकों के चालान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

पुलिस द्वारा लगातार वाहन चालकों को यातायात के नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। साथ ही यातायात के नियमों की अवहेलना करने और शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। शनिवार रात से विशेष नाके लगाकर नशा करके वाहन चलाने वाले चालकों और यातायात के नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के चालान काटे गए। ट्रेफिक एसएचओ विकास कुमार ने बताया कि शराब पीकर वाहन चलाने वाले 4 चालकों के चालान किए गए। चालकों को सेफ ड्राइविंग करने के लिए प्रेरित किया गया।

बहादुरगढ़। रात में वाहनों की जांच करती यातायात पुलिस।

पुलिस ने तीन वाहन इंपाउंड किए

विशेष जांच अभियान के दौरान रॉन्ग पार्किंग के 4, रॉन्ग साइड वाहन चलाने वालों के 22, ट्रिपल राइडिंग के 4, बिना पैटर्न नंबर प्लेट के 8, बिना हेलमेट के 3, शराब पीकर वाहन चलाने वाले 4 वाहन चालकों के चालान किए गए। साथ ही एक मोटरसाइकिल को इंपाउंड भी किया गया। इसके अलावा झज्जर में ट्रिंक एंड ड्राइविंग के 6, बिना नंबर प्लेट 1 और लाल नीली बत्ती का 1 चालान काटने के साथ ही 2 वाहनों को इंपाउंड किया गया।

सब लेफ्टिनेंट नेहा ने दिए सफलता के टिप्स

झज्जर। रविवार को शहीद अमित देशवाल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में भारतीय भाषा उत्सव कार्यक्रम के समापन पर नेवी में सब लेफ्टिनेंट के पद पर चयनित नेहा देशवाल ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने जहां विद्यार्थियों को सफलता हासिल करने टिप्स दिए वहीं उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों का जवाब भी दिया। इस दौरान रिटायर्ड ऑनरेरी कप्तान बलवान देशवाल, अंकित देशवाल व सुरेन्द्र धनखड़ ने डिफेंस एक करियर के रूप में विषय पर एक व्याखान भी दिया। शिक्षकों ने नेहा देशवाल के परिजनों को उनके चयन पर बधाई देते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी उनका अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर गणित प्रवक्ता सोमबीर व एलिमेंट्री हेड रणबीर ने भी संबोधित किया।

राजपाल गुलिया को मिला 'मानव दोहा श्री' सम्मान

झज्जर। क्षेत्र के गांव जाहिदपुर निवासी प्रमुख दोहाकार राजपाल गुलिया को मनुमुक्त मानव मैमोरियल ट्रस्ट द्वारा मानव दोहा श्री सम्मान से पुरस्कृत किया गया है। राजपाल सिंह गुलिया ने बताया कि उन्हें यह सम्मान नारनौल स्थित मनुमुक्त भवन में ट्रस्ट द्वारा आयोजित पर्यावरण-केंद्रित दोहा सम्मेलन में दिया गया। इस दौरान बहुत से दोहाकारों ने पर्यावरण विषय पर लिखे अपने दोहों का पाठ किया। समारोह में मनुमुक्त मानव मैमोरियल ट्रस्ट के चीफ ट्रस्टी डॉक्टर रामनिवास मानव, डॉक्टर पवन त्रिपाठी, डॉक्टर पंकज गौड ने डॉक्टर जितेन्द्र भारद्वाज, धर्मपाल धर्म, राजेश भुलक्कड़ व संजय पाठक की उपस्थिति में राजपाल सिंह गुलिया को डॉ.मनुमुक्त मानव दोहा श्री सम्मान से सम्मानित किया। इस मौके पर राजपाल सिंह गुलिया की नूतन कृति चन्दन वन का भी लोकार्पण भी किया गया।

विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और अधिक बढ़ोतरी होने की संभावना

दिनभर चिलचिलाती धूप ने किया परेशान, शहर की सड़कें सुनसान, तापमान पहुंचा 42 डिग्री

गर्मी के कारण मौसम जनित बीमारियों की चपेट में आ रहे लोग, वायरल, उल्टी व अन्य बीमारियों ने घेरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

रविवार सुबह से ही सूर्य देव के तेवर तल्ख दिखाई दिए। दिनभर चिलचिलाती धूप के कारण लोगों का जीना मुहाल रहा, लोग पसीनों से तर-बतर रहे। स्थिति यह रही कि दोपहर के समय बाजारों व मुख्य सड़कों पर सन्नाटा पसर गया। गर्मी से बचने के लिए लोग अपने घरों व संस्थानों में दूबकने को मजबूर रहे। रविवार को अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विशेषज्ञ आगामी दिनों में तापमान में और अधिक बढ़ोतरी होने का अनुमान लगा रहे है। उधर, बढ़ती गर्मी के कारण लोग मौसम जनित बीमारियों की चपेट में आ रहे है। वायरल बुखार, उल्टी, दस्त जैसी बीमारियों के मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। चिकित्सक लोगों को धूप के समय घर से बाहर न निकलने और संतुलित आहार का सेवन करने की सलाह दे रहे है।

झज्जर। धूप से बचने के लिए कपड़ा ओढ कर गुजरती युवतियां।

पानी का भरपूर सेवन करें

गर्मी में लापरवाही खतरनाक साबित हो सकती है, हीट स्ट्रोक का खतरा

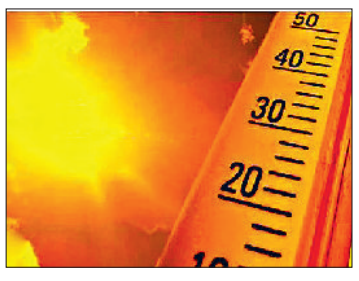

बहादुरगढ़। दिन में तपिश भरी गर्मी ने लोगों का जीना बेहाल कर दिया है। रविवार को पारा 41 के पार रहा। तेज धूप के कारण सुबह 9 बजे से ही सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है। इंसानों के साथ ही पशु पक्षी भी बेहाल हो जा रहे हैं।जून की शुरूआत से ही प्रचंड गर्मी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। तीखी धूप ने लोगों को घरों व कार्यालयों में कैद होने के लिए मजबूर कर दिया है। बाहर काम करने वाले मजदूरों का धूप से बुरा हाल हो गया है। बदन झुलसाने वाली धूप के चलते सुबह 9 बजते बजते सड़कों से भीड़ गायब होने लगती है। दोपहर में हर तरफ सन्नाटा पसर जाता है। मौसम के मिजाज को देखते हुए अनावश्यक रूप से घरों से निकलने से लोग परहेज करने लगे हैं। चिकित्सकों का कहना है कि इस मौसम में जरा सी लापरवाही खतरनाक साबित हो सकती है। इस मौसम में हीट स्ट्रोक की शिकायत हो सकती है। इससे बचने के लिए धूप में बाहर निकलने से बचें। बेहद जरूरी हो तो निकलने से पहले भरपूर पानी का सेवन करें।

मांडोठी गोशाला में 25 लाख से बनेगा शेड, कार्य का शुभारंभ

■ गोशाला प्रबंधकों ने विधायक राजेश जून का पगड़ी बांधकर किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

विधायक राजेश जून ने रविवार को मांडोठी गांव की आर्यावर्त गोशाला में गो माता की सुविधा के लिए 25 लाख रुपए की धनराशि से टीन शेड डालने के कार्य का नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। इससे पहले ग्रामीणों वे गोशाला प्रबंधक कमेटी ने विधायक राजेश जून का स्वागत किया तथा पगड़ी बांधकर सम्मान किया।

- राजेश जून ने विधायक कोटे से दिए 25 लाख रुपये

विधायक राजेश जून ने कहा कि क्षेत्र की सबसे बड़ी मांडोठी आर्यावर्त गोशाला में विधायक कोटे से टीन शेड डलवाया जा रहा है। ताकि गर्मी व बरसात में गोमाता को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। गोशाला कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि यहां फिलहाल 7500 से ज्यादा गायों की सेवा की जा रही है। कमेटी ने गोशाला में विधायक कोटे से टीन शेड डलवाने का कार्य शुरू करने पर विधायक राजेश जून का आभार जताया।

राजेश जून ने बताया कि विधायक कोटे से वे दादा सीताराम मंदिर से गौशाला तक, मांडोठी से आसौदा तक, नेशनल हाइवे से एमआरडी तक तीन सड़कें भी मंजूर करवा चुके हैं। इन सड़कों के निर्माण पर 9 करोड़ से ज्यादा की धनराशि खर्च होगी। जल्द ही मांडोठी तक जाने वाले इन सड़कों का निर्माण कार्य शुरू करवा दिया जाएगा।

बहादुरगढ़। मांडोठी गौशाला में ग्रामीणों के साथ विधायक राजेश जून।

कभी फूलों की तरह मत जीना,
जिस दिन खिलोगे बिखर जाओगे
जीना है तो पत्थर की तरह जियो,
किसी दिन तराशे गए तो खुदा बन जाओगे।
- हरिवंश राय बच्चन

शनिवार के दिन सुबह-सुबह औरतें पीपल के पेड़ पर मिठाई और चंद सिक्के शनिदेव को खुश करने के लिए चढ़ा जाती थी। शनिवार को स्कूल की छुट्टी भी बहुत जल्दी होती थी। मैं जल्दी ही छुट्टी से भी जल्दी भागती हुई घर की तरफ़ आती और वहां रखी मिठाई और सिक्के उठा लेती। मिठाई पेट के हवाले और सिक्के स्कूल बैग की जेब के हवाले कर देती थी।

कहानी
ललिता विम्मी

वो मेरी गलियां

बहुत दिनों बाद, आज अपने शहर, अपनी गली, अपने घर की तरफ़ जाना हुआ था। हालांकि मेरा कुछ नहीं बचा था वहां, बहुत पहले ही सब के ठिकाने बदल गए थे। चिलचिलाती धूप, गर्म लूं के थपेड़े, सिर पर ओढ़े हुए सूती दुपट्टे को एक बार फिर और खोल कर लपेट लिया था मैंने।

वही गली थी, बस अब पक्की बन गई थी। बड़ी सी मुख्य सड़क के सामने मेरे घर की भीड़ी सी गली। मुख्य सड़क पर एक ओर मंदिर था, मंदिर के बाहर एक विशाल पीपल का पेड़ हुआ करता था। पीपल के पेड़ के बराबर में एक तंग सी गली, और गली के बराबर में ही सीधे हाथ पर एक दुकान जहां टाफियाँ, पीले रंग के नमकीन रोल, जो फूंक मारने से ही उड़ जाते थे। मीठी और तरह तरह के रंगों की रंगीन सी गोलियां बहुत मज़ा आता था उन्हें खाने में। कभी अलग-अलग रंग लेती, तो कभी एक जैसा रंग। दुकान वाला चाचा, जो कि सबका चाचा था, बहुत डांटता था, रंग खाने हैं या गोलियाँ'?

पीपल के पेड़ के बायें हाथ को भी एक छोटी सी हलवाई की दुकान थी जहां दूध, मिठाइयां और प्रसाद मिलता था।

शनिवार को सुबह-सुबह औरतें पीपल के पेड़ पर मिठाई और चंद सिक्के शनिदेव को खुश करने के लिए चढ़ा जाती थी। शनिवार को स्कूल की छुट्टी भी बहुत जल्दी होती थी। मैं जल्दी ही छुट्टी से भी जल्दी भागती हुई घर की तरफ़ आती और वहां रखी मिठाई और सिक्के उठा लेती। मिठाई पेट के हवाले और सिक्के स्कूल बैग की जेब के हवाले। मेरा एक सहपाठी नवीन जो कि मेरे साथ ही स्कूल जाया करता था। शायद मुझे ये सब करते देख चुका था। मेरे घर शिकायत करने की उसमें हिम्मत नहीं थी, क्यों कि उस समय मैं अपने ग्रुप की सरदार थी और नवीन जैसे बहुत से बच्चे, जिन्हें दूसरे बच्चों से झगड़ने से डर लगता था। वे सरदार की शरण में रहते थे। शनिदेव के उन सिक्कों से मेरा व्यापार भी चलता था। बहुत बच्चों को मैंने उधार दे रखा था। वापसी तो किसी से भी नहीं हुई थी पर पैसों के चलते मेरा अलग ही रौब था।

एक दिन हमारे स्कूल के बाहर एक अलग तरह की कुल्फी प्लेट में बिक रही थी, उसमें लच्छे भी थे। मुझे उस कुल्फी की बहुत इच्छा हुई, मेरी उस समय की भाषा में मुझे बस कुल्फी की भूख लगी थी। मैंने अपने सारे देनदारों से पैसे वापस मांगे, और वो भी धमका कर।

आधी छुट्टी पूरी होने तक मुश्किल से पैसे इकट्ठे हुए, मैंने कक्षा में ना जाकर कुल्फी वाले के पास खड़े होकर कुल्फी खाई।

मेरे पीछे मुझ से प्रताड़ित बच्चों ने मीटिंग करके आते ही मुझे टीचर से प्रताड़ित करवाया। मैं बहुत ही दुखी धीमे-धीमे कदमों से घर पहुंची ही थी कि घर पर भी एमरजेंसी अदालत लगी हुई थी। मुझे स्कूल में पिटता देखकर शायद नवीन के भी पर निकल आये थे। उसने मेरे घर में मेरी मां को सब बता दिया था ।

मां बेचारी बहुत परेशान थी, उन्हें ये चिंता थी कि शनिदेव के पैसे उठाकर जो भूल लड़की ने की है, शनिदेव से कैसे क्षमा याचना करवाई जाये।

बड़े ताऊजी और बड़ी मां को ये चिंता थी कि लड़की की जात और बदमाशी लड़कों से भी बढ़कर, यही संस्कार है तो आगे क्या करेगी? पापा को ये चिंता थी कि पीपल के पेड़ पर से कुत्ते भी चीजें खाते रहते हैं। इतनी गंदगी, इतनी मक्खियां, बच्ची को कोई बीमारी लग गई तो? मां को भी डांट रहे थे, तुम उसे उसकी पसंद का नहीं खाने देती ना, इसलिए तो उसने ये भिखारियों से भी बदतर हरकत की।

मेरे गली के दूसरे बच्चे जो मेरे शैक्षणिक स्तर से हमेशा जलते थे, बड़े खुश थे कि आज आयेगा मजा मैडम बुद्धि माता को डंडे पड़ेंगे जब।

मैं बेचारी अकेली इतने लोगों की भीड़, सब के तेज तलवार से प्रश्न, ऊपर से गर्मी, मां ने तो आते ही दो जड़ दिए, बड़ी मां जैसे और जड़वाने के चक्कर में थी।

'ना छोटी, अभी मत मारो, पहले सारी बात पता कर, क्या पता और भी कहां-कहां से पैसे चुराये हों'। उस दिन की पिटाई से मैं शरीफ़ बच्ची बन गई थी। पीपल के पेड़ पर रखी मिठाई फिर भी मुझे ललचाती थी, पर मैं मुंह फेर के निकल जाती थी।

मैं कभी अपने घर की गली और कभी सामने मंदिर के बराबर की तंग गली देखकर थक चुकी हूं। शायद मुझे किसी ने नहीं पहचाना इसलिए तो कोई बोला नहीं। मैं वापस जाने के लिए रिक्शा बुलाने ही वाली थी कि ट्रेन की सीटी और छुकछुक की आवाज सुनाई दी। मेरे कदम मंदिर के उस तरफ वाली चौड़ी सड़क की तरफ दौड़ पड़े, जहां से चंद क्षणों के फासले पर मैं रेल की पटरी के पास पहुंच जाऊंगी। पहले मैं यहां ट्रेन आने से पहले नकली खेलने वाले नोट रखकर इंतजार करती थी कि कब इन पर से ट्रेन गुज़रे और कब ये असली हो जायें। आज मन कर रहा था कि क्यों ना बैग के सारे नोट निकाल कर ट्रेन की पटरी पर रख दूं,ताकि ये नकली ही हो जायें, और मेरे वो लम्हें मेरे वो दोस्त, मेरी वो गलियां, मेरा वो पीपल मुझे वापस मिल जाए।

मैंने दादागिरी भी छोड़ दी और नवीन से भी दोस्ती खत्म कर ली थी।

अब मेरी दोस्ती गली के कुत्तों और सांडों तथा गायों से हो गई थी। स्कूल से आने के बाद मैं इन्हीं के साथ खेलती, इन्हीं के साथ भागती। इनके ऊपर रंग से कभी अपना नाम लिखती तो कभी इनका नाम जो मैंने ही रखा था। मेरे एक आवाज लगाते ही मेरे ये दोस्त तुरंत मेरे पास आ जाते थे। गौरी, कजरा, मेरी गाय थी। शेरू छुटकु,कालु और भौंभौं, ये कुत्ते थे। विनायक छोटा बछड़ा था और बब्बर बड़ा और मोटा ताजा सांड था।

डाकौत पंडित की घरवाली अब सुबह शाम पीपल की सफाई करने आती थी। पर सिर्फ शनिवार को।

तंग गलियां धीरे-धीरे और तंग हो गई हैं, क्योंकि लोगों के घर की दहलीजें गलियों तक आ गई हैं। कमरों के ऊपर कमरे बनाकर लोगों ने आसमानी हवा को भी घेर लिया है। आजकल शनिदेव यहां मिठाई खाने भी नहीं आते क्योंकि, पीपल काट कर कई दुकानें बना दी गई हैं, जिनमें एक तो ब्रांडेड मिठाई की भी दुकान है।

मंदिर के ऊपर भी दो मंजिल बन गई हैं, जो शादी-ब्याह में बैंक्वेट हाल का काम करती हैं। तपती चिलचिलाती धूप में कोई शख्स बाहर ही नहीं था तो अपने या अनजान की पहचान कैसे करती। बार-बार गली में झांक रही थी। लग रहा था कि कोई अपना सा अहसास गर्म लूं के साथ आ रहा था। सामने पलट कर दुकानों की चमचमाती भीड़ में से अपनी मीठी गोलियों वाली दुकान तलाशने की कोशिश की, पर जैसे कोई नहीं थी वहां। तुक्के से गली के कोने वाली दुकान पर जाकर मीठी रंग-बिरंगी गोलियां मांगी तो हैरान से दुकानदार ने ब्रांडेड टाफियों का जार मेरी तरफ सरका दिया था।

मैम, शायद आपको ये चाहिए? निरूतर सी मैं एक ठंडी लैमन की बोतल खरीद कर बैग के हवाले करती हूं। मुझे लगभग बीस मिनट हो गए हैं, छुटकु कालू,भौंभौं, शेरू कोई भी नहीं दिखा। गौरी और कजरी तो पीपल के पेड़ के नीचे बैठी रहती थी, पर अब तो वो पीपल भी नहीं था। बब्बर तो धूप में भी ढां-ढां करता घूमता था। वो भी नजर नहीं आया कहां चले गए सब।

मैं कभी अपने घर की गली और कभी सामने मंदिर के बराबर की तंग गली देखकर थक चुकी हूं। शायद मुझे किसी ने नहीं पहचाना । इसलिए तो कोई बोला नहीं।

मैं वापस जाने के लिए रिक्शा बुलाने ही वाली थी कि ट्रेन की सीटी और छुकछुक की आवाज सुनाई दी। मेरे कदम मंदिर के उस तरफ वाली चौड़ी सड़क की तरफ दौड़ पड़े, जहां से चंद क्षणों के फासले पर मैं रेल की पटरी के पास पहुंच जाऊंगी। पहले मैं यहां ट्रेन आने से पहले नकली खेलने वाले नोट रखकर इंतजार करती थी कि कब इन पर से ट्रेन गुज़रे और कब ये असली हो जायें। आज मन कर रहा था कि क्यों ना बैग के सारे नोट निकाल कर ट्रेन की पटरी पर रख दूं,ताकि ये नकली ही हो जायें, और मेरे वो लम्हें मेरे वो दोस्त, मेरी वो गलियां, मेरा वो पीपल मुझे वापस मिल जाए।

मैं पटरी के पास पहुंच तो गई पर ट्रेन दनदनाती हुई निकल चुकी थी।

कविता
कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

मेरे मन की बात

आदमी में इस कदर विष भर गया है।
विषधरों का वंश सारा डर गया है।
कल सुनोगे आदमी के काटने से,
रास्ते में सांप कोई मर गया है।

दुनिया में जिधर देखो नजर आते हैं पत्थर श।
उठ-उठ के एक-दूजे से टकराते हैं पत्थर।
है ख्वाब तो हसीन कि मंदिर में सजेंगे ,
छेनी की चोट से मगर घबराते हैं पत्थर।

चेहरों पर मुस्कान नहीं है, दिल में हिन्दुस्तान नहीं है।
कहने को तो फूल हैं लेकिन खुशबू से पहचान नहीं है। जब-से कट्टरपंथी डायन आन बसी है इस बस्ती में,सब हिन्दू या मुसलमान हैं, कोई भी इन्सान नहीं है।

हवाओं को तो बेशक खल रहा हूँ।
चिराग़ों की तरह मैं जल रहा हूँ।
जिन्होंने राह में कांटे बिछाए,
उन्हें भी साथ लेकर चल रहा हूँ।

कविता
राज ख्यालिया

लहू में डूबी वादियां

लहू में भीगी हर गली, है सरजमीं कश्मीर की,
सिसकती हैं दरख़्त भी, गवाही दें तहरीर की।

न पूछो कैसी आग है, बहारों की ज़मीं पे अब,
हर एक शाख़ पे दिखे है, परछाईं तासीर की।

बग़ावतें न थीं वहाँ, न कोई जुर्म, न इल्तिजा,
मगर भीड़ ने छीन ली, सदा किसी ज़मीर की।

कभी जो गूंजती थी वहाँ, अज़ान, दुआ, मोहब्बतें,
वहाँ अब गूँजती है सदा, किसी शहीद तीर की।

वो माँएँ पूछती हैं अब, कहाँ है मेरा लाल कहो,
नदी भी चुप है आजकल, कहानी एक नीर की।

गीत
प्रीति पाठक 'प्रीति'

नाथ कुंवारी हूं

तू ग़ज़लों का शहज़ादा तो मैं भी राजकुमारी हूँ
तेरे शब्दों के संग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ

तुझ पर जीवन साथी मैंने अपना सब कुछ वार दिया
तेरी ख़ातिर हीं तो मैंने गीतों का शृंगार किया
तू मेरी अभिलाषा है और तुझ पर मैं बलिहारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ

मेरी ग़ाज़ल ख़्यालों के तुम हो गीतों के शान्त स्वर
जैसे साँझ ढले तारों से बिछा हुआ प्यारा अम्बर
तुम गीतों के पुष्प-सुमन तो मैं उसकी फुलवारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना सजन कुँवारी हूँ

तुझसे होती सुबह शुरू तो तुझसे ही है शाम पिया
तू है जो सँग मेरे तो दुःख भी सुख का नाम पिया
मेरे जीवन का कंचन तू तुझपर सब कुछ हारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना प्रिय कुँवारी हूँ

पाकर तेरा साथ मैंने पाया जीवन का सार है
तुमसे से ही जीवन मे आई ख़ुशियाँ बेशुमार है
तू मेरी ख़ुशियों की चाभी मैं उसकी किलकारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ।

लघुकथा
डॉ. अंजना गर्ग

पार्क में भंडारा

अनु यह बड़े-बड़े लिफाफे उठाकर कहां जा रही है?' सुनीता ने अनु के हाथ में कई लिफाफे देख कर पूछा।

' पार्क में कुछ लोगों के द्वारा रोज भंडारा लगाया जाता है। वहीं पर जा रही हूं।' '

तो इनमे प्रसाद लेकर आएगी।' सुनीता ने लिफाफो को लगभग घूरते हुए सी पूछा।'

नहीं प्रसाद का तो एक कण लेती हूं हाथ पर ही।'

' तो इनका क्या करेगी?'

' लोग खा खा कर इधर-उधर प्लेट्स डाल देते हैं। उड़-उड़ कर लोगों के घरों के दरवाजो तक आ जाती है। पार्क इतना गंदा हो जाता है कि लोग सैर नहीं कर पाते। बच्चे खेल नहीं पाते। कुत्ते प्लेट्स को चाटने आ जाते हैं। फिर तुम्हें पता है यहां तो बंदर भी अपना कोहराम मचाते हैं।'

' तो स्वीपर किस लिए है ? कर देगा सारी साफ सफाई। यह उनका ही काम है।' सुनीता ने मुंह बना कर कहा।

' वो सुबह एक बार सफाई कर जाता है। सारा दिन तो नहीं करेगा।'

' तो तू इन लिफाफों का क्या करने जा रही है?

' बस कुछ खास नहीं। भंडारा समाप्त होने पर सारी प्लेट्स उठा उठा कर इनमें भर लेती हूं। पास में ही डंपिंग ग्राउंड है वहां डाल आती हूं।' अनु ने मुस्कुराते हुए कहा।

' तेरे घर में सफाई करने मेड आती है और तू वहां सफाई करने जा रही है।'

' यही तो सुनीता हमारी सोच है कि गरीब का काम है सफाई करना। अमीर का काम है दान पुण्य करना।' अनु ने उस की ओर देखते हुए कहा।' हां तो ठीक है ना, जिसके पास पैसा नहीं वह सफाई कर दे।' सुनीता ने हाथ मटकते हुए कहा।' और हम पैसे वाले गंद डालकर, घर आकर बैठ जाए।' ' आखिर क्या कहना चाहती हो तुम अनु- ---'

' यही कि दान पुण्य से ज्यादा जरूरी है इस धरा की साफ सफाई जिसको हम सब धरती मां तो कहते हैं पर इसको हम इतना प्रदूषित कर रहे हैं कि पृथ्वी के कणों की सांस भी रुक गई।' ' पर तेरे अकेले के करने से क्या होगा? सुनीता ने अनु की तरफ लापरवाही से प्रश्न उछाला।' यूंही कारवां बनता है।' कहती हुई अनु पार्क की ओर बढ़ चली। अनु के शब्दों में पता नहीं क्या जादू था कि सुनीता भी पीछे-पीछे हो ली ।

आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कवयित्री एवं लेखिका अनामिका वालिया का कहना है कि आज भी साहित्यिक लेखन प्रगति पर है और नई युवा पीढ़ी भी साहित्य क्षेत्र में बेहतर लेखन कर रही है, जिससे कहा जा सकता है कि साहित्य बेहतर स्थिति में है। हालांकि सोशल मीडिया के माध्यम से साहित्य लेखन ज्यादा बढ़ा है। इससे भी युवा पीढ़ी साहित्य के प्रति आकर्षित हो रही है।

साक्षात्कार
ओ.पी. पाल

समाज को नई दिशा देता है साहित्य : अनामिका वालिया

हिन्दी साहित्य के संवर्धन के लिए लेखक अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में कवयित्री अनामिका वालिया भी सामाजिक सरोकारों के मुद्दों पर अपने रचना संसार को आगे बढ़ा रही हैं। देशभक्ति और समाज में महिलाओं के मुद्दे पर भी कविताओं का लेखन और मंच से समाज को सकारात्मक संदेश देते हुए उन्होंने परिवार से मिली विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है।

शिक्षाविद्, लेखिका एवं कवयित्री अनामिका वालिया शर्मा ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से बातचीत करते हुए कुछ ऐसे पहलुओं का भी जिक्र किया है, जिसमें उनका मत है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना करना बेमानी है, क्योंकि साहित्य समाज का दर्पण होता है। महिला साहित्यकार अनामिका वालिया का जन्म 19 मई 1989 को जिला कैथल में देशबंधु वालिया और दमयंती वालिया के घर में हुआ। उनके नाना स्वर्गीय रमेश चंद्र ने आज़ाद हिंद फौज के सेनानी के रूप में और उसके बाद सेना में भर्ती होकर देश की सेवा की। इसलिए देशभक्ति और देश प्रेम भी विरासत में मिला। जबकि मामा स्वर्गीय अमरजीत अहलूवालिया कविता लेखन किया करते थे, तो उन्हें साहित्यिक माहौल मिलने के कारण बचपन में कविता लेखन में रुचि पैदा हुई। शायद यही कारण है कि उन्होंने 13-14 वर्ष की आयु से कविता लेखन शुरू कर दिया था। पहली कविता साहित्य सभा कैथल के मंच से चौदह वर्ष की आयु में पढ़ी जहां वह अपने पिता के साथ कार्यक्रम में पहुंची थी। इतनी कम उम्र में कविता लिखने और उसके पाठन पर सभी हैरान रहे।

अनामिका की प्रारंभिक शिक्षा कैथल और उच्च शिक्षा अंबाला शहर से पूरी हुई। अंबाला के एमडीएसडी कॉलेज से स्नातक की शिक्षा ग्रहण करने के दौरान ग्रेजुएशन की परीक्षा में पूरे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में द्वितीय व अंबाला ज़िले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके लिए उन्हें तत्कालीन केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा के द्वारा गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया था। भाषण प्रतियोगिता में नेशनल यूथ फेस्टिवल में पूरे उत्तर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया, जिसके लिए हरियाणा सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। साल 2014 से शिक्षा विभाग हरियाणा में अंग्रेजी लेक्चरर के तौर पर अपनी सेवाएं देना प्रारंभ किया। एक शिक्षिका के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर आधारित विभिन्न नाटकों का लेखन एवं निर्देशन भी किया, जो राज्य स्तर पर प्रथम स्थान के लिए शिक्षा विभाग की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया। साल 2018 में हरियाणा के यमुनानगर ज़िले में इनका विवाह हुआ। परिवार और दो जुड़वां बेटियों के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए साहित्यिक सफर को आगे बढ़ाना आसान नहीं था, लेकिन परिवार के सहयोग और साहित्य के प्रति अपने समर्पण से अपने इस सफर को निरंतर जारी रखा। वर्तमान में अपने परिवार के साथ यमुना नगर में रहकर अध्यापन और साहित्य सेवा कर रही हैं। उनकी साहित्यिक गतिविधियों को परिवार के लोगों का प्रोत्साहन भी अहम रहा है। उन्होंने अपनी कविताओं के लेखन में देश, समाज और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर फोकस किया है। वहीं उन्होंने सैनिकों के शौर्य का जयगान तो कभी राजनीति पर व्यंग्यात्मक कविताओं को भी साहित्य मंच पर उतारा है। उनकी एक प्रसिद्ध रचना 'बेटियां मैदान में उतार दूं' स्कूल कॉलेज की बच्चियों को इतनी पसंद आई कि विभिन्न प्रतियोगियों में उन्होंने इसे प्रस्तुत किया और पुरस्कार प्राप्त किए। उच्च शिक्षा ग्रहण करने के बाद उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में होने वाले कवि सम्मेलनों में काव्यपाठ करना प्रारंभ किया और देश के अनेक प्रतिष्ठित न्यूज चैनलों पर काव्यपाठ किया है। इनका कहना है कि साहित्य जगत में एक बात आहत करने वाली है, कि साहित्यिक मंचों पर कविताओं के नाम पर चुटकले और अश्लीलता परोसी जा रही है, जिस पर अंकुश लगाना जरुरी है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा गया है, इसलिए साहित्यकारों और लेखकों को युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति के प्रति प्रेरित करने वाला साहित्य सृजन करने की जरुरत है, ताकि समाज को सकारात्मक संदेश दिया जा सके। मसलन विशुद्ध साहित्य की रचना बेहद जरूरी है।

प्रकाशित पुस्तकें

महिला कवयित्री एवं शिक्षिका अनामिका वालिया ने अल्प आयु में ही कविताओं का लेखन शुरू कर दिया था और वीर रस की कविताओं के संकलन के रूप में 2014 में इनकी पहली काव्य पुस्तक 'एक और इंकलाब' पाठकों के सामने आई। उनकी इस प्रकाशित पुस्तक में देश प्रेम और महिला सशक्तिकरण से संबंधित कविताओं को समायोजित किया गया है। इसके अलावा उनकी रचनाएं विभिन्न समाचार पत्र व पत्रिकाओं में भी प्रकाशित होती रही हैं।

अनामिका वालिया

पुरस्कार व सम्मान

अनामिका वालिया को हरियाणा सरकार गोल्ड मेडल से सम्मानित कर चुकी है। साहित्य क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें नारायणी फाउंडेशन के रूपा राजपूत सम्मान, रोटरी क्लब के ऑनरेरी मेंबर सम्मान मिला है। भारत विकास परिषद अंबाला शहर और पंचनद शोध संस्थान यमुना नगर द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें देश व विभिन्न राज्यों की साहित्यिक एवं प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा काव्य मंचों से अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : अनामिका वालिया
जन्मतिथि : 19 मई 1989
जन्म स्थान : कैथल, (हरियाणा)
शिक्षा : एम.ए. (अंग्रेजी)
संप्रति : लेक्चरार (शिक्षा विभाग हरियाणा), लेखक एवं कवियत्री

बच्चों में समाज सेवा के रंग भरता 'नाचू के रंग'

पुस्तक : नाचू के रंग
लेखक : गोविंद शर्मा
मूल्य : 150 रुपये
प्रकाशक : पंचशील प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा
शशि कांत चौहान

वरिष्ठ साहित्यकार गोविंद शर्मा 1971 से निरंतर बाल साहित्य की रचना करते आ रहे हैं। बाल साहित्य की उनकी पचास से अधिक पुस्तकें अब तक प्रकाशित हो चुकी हैं। 'नाचू के रंग' नया उपन्यास अब पाठकों के हाथों में है।

उपन्यास के नायक बालक नाचू के माध्यम से लेखक ने बच्चों को ही नहीं बल्कि बड़ों को भी सामाजिक सरोकारों के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करने का संदेश दिया है। बालक नाचू जो चित्रकार है अपनी ब्रुश और रंग के जरिये ही स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता फैलाता है। इस उपन्यास में लेखक ने मनोरंजन के साथ-साथ सीख भी दी है। नाचू जो अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस रखता है और साथ ही दूसरों की मदद भी करता है।

उपन्यास में नाचू का पेंटिंग का शौक किस तरह से चोर और डाकुओं को पकड़वाने में मदद करता है यह समाज के प्रति उसके दायित्व का दिखाता है। एक बार वह विज्ञापन के कटाउट पर चौकीदार का चित्र बना देता है और उससे डरकर चोर को पकड़ लिया जाता है। नाचू जब अपने साथियों के साथ जंगल में डाकुओं को देखते हैं और उन्हें डाकुओं द्वारा छिपाया हुआ खजाना मिल जाता है तो नाचू किस तरह से सूझबूझ का परिचय देते हुए बक्से का रंग बदलकर खजाने को गांव में लाकर पुलिस के हवाले करते हैं तो यह इस बात का संदेश देती है कि इंसान को विपरीत परिस्थितयों में भी धैर्य का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। नाचू के रंग ब्रुश की सफलता इस बात में कही जा सकती है कि उसने सफाई का संदेश देते चित्र बनाकर सवाल उठाया तो डंपिंग स्टेशन बनी जगह पर लोगों ने कूड़ा डालना बंद कर दिया। इसके साथ ही नाचू के रंग के बाल नायक के माध्यम से लेखक ने पौधरोपण का भी सफल संदेश दिया है।

बाल उपन्यास समाज की सभी छोटी बड़ी समस्याओं को उजागर करता हुआ और उनके समाधान प्रस्तुत करता नजर आता है और वह भी पूरे मनोरंजक तरीके से। उपन्यास इतना रोचक है कि पाठक एक बार में ही पूरा पढ़ जाता है।

लेखक गोविंद शर्मा के उपन्यास की भाषा सहज और सरल है। शीर्षक को साकार करते उपन्यास का कवर भी सुंदर बन पड़ा है। कुल मिलाकर नाचू के रंग उपन्यास सामाजिक सरोकारों के रंगों से सराबोर है। लेखक इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। कर्मवीर सैनी को सम्मानित करते जसबीर सैनी। फोटो :हरिभूमि

सूचना आयुक्त का किया सम्मान

बहादुरगढ़। राज्य सूचना आयुक्त बने कर्मवीर सैनी के सम्मान में रविवार को सफीदो में समारोह आयोजित किया गया। बहादुरगढ़ से जसबीर सैनी ने भी इसमें भाग लिया और कर्मवीर सैनी का सम्मान किया। रोहित सैनी, धर्मबीर, जीवन सैनी, राजपाल व कृष्ण ने भी सेनी का स्वागत किया।

आत्मा को शुद्ध करती है सज्जनों की संगत : महाराज

जहां प्रेम और श्रद्धा होती हैं वहीं ईश्वर का वास होता है : राम सुखदास

■ कार्यक्रम का शुभारंभ बहादुरगढ़ के महाबीर मंदिर की मंडली द्वारा सुंदरकांड पाठ से हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

स्थानीय पंजाबी धर्मशाला में श्री सति भाई सांईदास सेवा दल पंजाबी सभा झज्जर की ओर से 24वें रक्तदान शिविर, सुंदरकांड पाठ, भजन सत्संग एवं प्रवचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें कलानौर गद्दी के महंत राम सुखदास महाराज ने भजन एवं प्रवचन के साथ श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। श्री सति भाई सांईदास सेवादल, कलानौर गद्दी

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान प्रवचन देते हुए राम सुखदास महाराज।

के महंत राम सुखदास ने कहा कि सज्जनों की संगत आत्मा को शुद्ध करती हैं। जहां प्रेम और श्रद्धा होती हैं वहीं ईश्वर का वास होता है। भगवान का भजन करते रहना चाहिए। कार्यक्रम का शुभारंभ बहादुरगढ़ के महाबीर मंदिर की मंडली द्वारा सुंदरकांड पाठ से हुआ। आयोजन समिति के प्रधान वासुदेव भूटानी ने बताया कि सत्संग कार्यक्रम के साथ साथ सिविल अस्पताल एवं जिला रेडक्रास सोसायटी के सहयोग से रक्तदान शिविर लगाया गया। जिसमें श्री सति भाई सांईदास सेवा दल पानीपत, जींद, गोहाना, कलानौर, रोहतक, झज्जर सहित फरीदाबाद के सेवादारों ने कार्यक्रम में पहुंचकर महाराज का आशीर्वाद लिया।

कार्यक्रम के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर झंग सभा के प्रधान कृष्ण लाल शर्मा, मुलतान सभा के प्रधान प्रवीण सुखीजा, अमित पोपली, आशीष पोपली, विनीत पोपली, वेद बहल पाशु, ललित सपड़ा, जगदीश गेरा, प्रताप गेरा, पूर्व चेयरमैन ईश्वर शर्मा, प्रवीण खुराना, राकेश अरोड़ा, भारत अरोड़ा, जगदीश अरोड़ा, विनोद भूटानी, किशोर भूटानी, जगदीश गेरा, गुलशन शर्मा, प्रवीण जुनेजा, नंद सरदाना, मनोहर तनेजा, उज्ज्वल भूटानी, ललित भूटानी, विनायक भूटानी, हर्ष डोगरा, अंकुर खुराना, जगदीश कटारिया, अशोक गेरा, प्रदीप गुलाटी, पवन सुनेजा, सुमन खुराना, अश्वनी अरोड़ा सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

लवकुश लीग में हुए 16 फुटबॉल मैच

बहादुरगढ़। मैच में गोल करने का प्रयास करते फुटबॉलर। फोटो :हरिभूमि

बहादुरगढ़। गांव लोवा खुर्द में लव कुश फुटबॉल लीग सत्र-4 के दूसरे सप्ताह में रविवार को 16 मैच खेले गए। मुख्य अतिथि कोच मंगत राम ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। रेफरी की भूमिका दीपांशु, निखिल, तनी, नमन, हर्षित, आदित्य, टीनू सागर, शलोक आदि ने निभाई। अंडर-10 आयुवर्ग में इंड्यूज आयरन 0-5 से जीती, दूसरे में सीबीएफसी 3-2 से जीती, तीसरे मैच में दुल्हेड़ा एफसी 1-0 से जीती, चौथे मैच में इंड्यूज किक्कर 1-6 से जीती, पांचवें मैच में एलकेएसी 1-0 से जीती, छठे मैच में दुल्हेड़ा एफसी बी 1-5 से जीती। सातवें मैच में अंडर-12 आयुवर्ग के अंतर्गत एलकेएसी स्टॉर ने 5-1 से जीत हासिल की, आठवें मैच में सीबीएफसी 5-1, नौवें मैच में इंड्यूज स्टॉर्म 1-6, दसवें मैच में इंड्यूज काइट 1-3 और 11वें मैच में इंड्यूज सोल 4-2 से जीती। अंडर-14 आयुवर्ग के तहत हुए 12वें मैच में इंड्यूज सन 0-5 से जीता, 13वें मैच में सीबीएफसी 6-1, 14वें मैच में जहांगीरपुर एफसी 1-6, 15वें मैच में दुल्हेड़ा एफसी 1-6 और 16 मैच में दुल्हेड़ा एफसी ने 0-3 से जीत हासिल की।

प्रशिक्षण शिविर में आमजन को किया योग के प्रति जागरूक

झज्जर। योग प्रशिक्षण शिविर के उपरांत पौधरोपण करते हुए प्रबुद्धजन।

झज्जर। जिले भर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां की जा रही है। एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर इस वर्ष योग दिवस कार्यक्रम किया जाएगा। जिसके अंतर्गत लोगों को योग के प्रति जागरूक करने के लिए योग प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर राजकपूर ने बताया कि रविवार को सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय बेरी में सामान्य योग प्रोटोकॉल का अभ्यास के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ विश्व हिंदू परिषद के प्रांत प्रचारक राजेश द्वारा किया गया तथा प्रांत मंत्री वरुण कुमार द्वारा हरित योग के अंतर्गत पौधारोपण किया गया। योग सत्र का आयोजन योग सहायक जसबीर, डिंपल, सपना तथा प्रदीप द्वारा करवाया गया। वहीं पतंजलि योग समिति झज्जर के सहयोग से ब्रह्मचारी सुभाष पार्क कच्चा बाबरा रोड में भी सामान्य योग प्रोटोकॉल के अभ्यास के लिए सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में कृष्ण दत्त उपस्थित रहे तथा विशेष अतिथि गोपाल गोयल शामिल हुए।

शिमला में दूसरे नंबर पर आए बीआरजी के गुलाब सिंह

बहादुरगढ़। शिमला में शानदार दौड़ के बाद उत्साहित बीआरजी के धावक।

बहादुरगढ़। देश की सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण मैराथन मानी जाने वाली 'टफमैन शिमला अल्ट्रा एंड हाफ मैराथन मशोबरा' में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के धावकों ने मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया। बीआरजी के गुलाब सिंह ने 80 किलोमीटर रेस में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया। दीपक छिल्लर ने बताया कि हिमाचल प्रदेश के खूबसूरत लेकिन कठिन ट्रैक मशोबरा ग्रींस में हुई मैराथन में धावकों ने पहाड़ों की ऊंचाई, तेज मोड़ और ऊबड़-खाबड़ रास्तों के बीच अग्नि परीक्षा सरीखी दौड लगाई। बीआरजी के गुलाब सिंह ने 80 किलोमीटर की बेहद कठिन रेस को 9 घंटे 1 मिनट में पूरा कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। यह रेस लगभग 4366 मीटर की ऊंचाई पर हुई थी। गुलाब सिंह का यह प्रदर्शन बीआरजी के धैर्य, शक्ति और अनुशासन का प्रतीक है। बच्चों की 4 किलोमीटर दौड़ में बीआरजी के तेजस राज सिंह ने प्रथम, आर्यवीर पांडेय ने द्वितीय, रणवीर पांडेय ने तृतीय और निकुंज ने चौथा स्थान प्राप्त किया। इन युवाओं ने कम उम्र में ही पहाड़ी रास्तों और कठिन चढ़ाई के बावजूद शानदार दौड़ पूरी कर सभी को प्रेरित किया।

छुट्टी मनाने के साथ पुण्य कमाने का मौका

बहादुरगढ़। ग्रीष्मावकाश शुरू होते ही परिवार के सदस्य घूमने जाने का कार्यक्रम बना रहे हैं। लोगों की पर्यटन जिज्ञासा को शांत करने के लिए विभिन्न टूर एंड ट्रेवल कंपनियों ने तीर्थ यात्रा के लिए विशेष पैकेज निकालकर छुट्टियां बिताने का आकर्षक विकल्प तैयार किया है। बहादुरगढ़ में संचालित टूर एंड ट्रेवल कंपनियों द्वारा श्रद्धालुओं को लुभाने के लिए सस्ते और आकर्षक पैकेज दिए जा रहे हैं। इनमें वैष्णों देवी, अमरनाथ, चार धाम और इन सभी स्थानों के रास्ते में पड़ने वाले तीर्थ स्थलों के दर्शन करने का अवसर दिया जा रहा है। ट्रेवल कंपनियों द्वारा बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमनोत्री, गंगोत्री, हरिद्वार, ऋषिकेश, देहरादून, मसूरी आदि स्थानों की यात्रा का पैकेज 5500 से 6000 तक प्रति व्यक्ति के हिसाब से प्रदान किया जा रहा है। गणपति टूर एंड ट्रेवल एजेंसी संचालक सुरेश दलाल का कहना कि हर यात्रा के लिए सप्ताह के दिन निर्धारित हैं।

छबील लगाकर राहगीरों की बुझाई प्यास

बहादुरगढ़। ज्येष्ठ माह की गर्मी में राहगीरों को राहत दिलाने के उद्देश्य से रविवार को दिल्ली-रोहतक रोड पर झज्जर मोड़ के नजदीक कई युवाओं ने मिलकर शरबत युक्त मीठे पानी की छबील लगाई। राहगीरों ने शम्मी मित्तल, मोहित, अशोक, नवीन, मुकेश, अंकित, अंकुर आदि के इस सेवाभाव कार्य को खूब सराहा।

बहादुरगढ़। अंबेडकर स्टेडियम में विजेता बॉक्सरों का स्वागत करते खेल प्रेमी। फोटो :हरिभूमि

बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जीते 4 पदक

बहादुरगढ़। रोहतक एनबीए में 3 जून से 7 जून तक चली जूनियर स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप में बहादुरगढ़ के अहलावत बॉक्सिंग क्लब ने 4 पदक जीते हैं। चारों विजेता बॉक्सरों का बहादुरगढ़ के अंबेडकर स्टेडियम में पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। कोच संदीप अहलावत ने बताया कि कनक दलाल ने 80 किलोग्राम भारवर्ग में गोल्ड मेडल, विशाल दलाल ने 63 किलोग्राम में सिल्वर मेडल, आकाशी दलाल ने 63 किलो में ब्रॉन्ज मेडल और ऋतुजा ने 75 किलोग्राम भारवर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उनके अनुसार मेडल जीतने के साथ कनक दलाल का नेशनल के लिए भी चयन हो गया है। यह स्पर्धा 17 से 26 जून तक रोहतक एनबीए में खेली जाएगी। तेजपाल सैनी, बिट्टू अहलावत, ऋषि प्रकाश, आशीष गुलिया, रोहित अहलावत, राजेश राठी, बलराज दलाल, धनु रुहिल, मनजीत, बलजीत दलाल, सुनीता देवी, रानी गुलिया, रितु दहिया व गरिमा आदि विजेता बॉक्सरों का शहर के अंबेडकर स्टेडियम में स्वागत किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

परिवार हमारी शक्ति और आंतरिक ऊर्जा का केंद्र : रविंद्र कौशिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जहाजगढ़ में आयोजित भारतीय भाषा समर कैंप रविवार को संपन्न हो गया। समापन अवसर पर एमआईएस के असिस्टेंट मैनेजर रविंद्र कौशिक ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों को परिवार के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि परिवार हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता हैं। हमें भावनात्मक सुरक्षा, जीवन मूल्य, आर्थिक सुरक्षा और प्यार मिलता है। जिस बच्चे के घर का पारिवारिक माहौल अच्छा होता है, वह बच्चा मानसिक रूप से सबल होने लगता

झज्जर। शिविर के समापन पर विद्यार्थियों के बीच उपस्थित असिस्टेंट मैनेजर रविंद्र कौशिक। फोटो :हरिभूमि

है। इसके विपरीत यदि परिवार का माहौल ठीक ना हो तो वह मानसिक व बौद्धिक रूप से कमजोर होने लगता है। परिवार हमारी शक्ति और आंतरिक ऊर्जा का केंद्र होता है। सभी विद्यार्थियों को अपने मां-बाप का आदर करना चाहिए और परिवार के सभी लोगों के लिए करुणा और प्यार का भाव रखना चाहिए।नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत आयोजित इस कैंप का मुख्य उद्देश्य शब्दों का उच्चारण, सांस्कृतिक एकता, बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाना था। इस अवसर पर प्राध्यापक पवन, राकेश कुमार और कुलदीप सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

समर कैंप में छात्राओं ने अपने अनुभव सांझा किए

■ निलोठी राकवमावि में समर कैंप संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव निलोठी के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चल रहा सात दिवसीय समर कैंप रविवार को संपन्न हो गया। समर कैंप के दौरान विद्यालय में विभिन्न गतिविधियां करवाई गई। छात्राओं ने अपने अनुभव सांझा करते हुए इस आयोजन को अपने जीवन का यादगार अनुभव बताया। बता दें कि शासन के निर्देश पर राजकीय विद्यालयों में भी ग्रीष्मावकाश के दौरान समर कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान

बहादुरगढ़। कैंप के समापन पर छात्रा को पुरस्कृत करते स्कूल स्टॉफ।

सरकारी विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियां करवाई गई। स्कूलों में रंगोली बनाई गई और योग का प्रशिक्षण भी दिया। प्रिंसिपल विजय सिंह ने बताया कि कैंप छठी से 12वीं कक्षा तक सभी छात्राएं उपस्थित रही। छात्राओं ने पंजाबी भाषा की वर्णमाला, पंजाब की संस्कृति, नदियों, फसलों, भोजन, नृत्य आदि की जानकारी ली। समर कैंप में विरेंद्र कुमार, रीना राठी, सुमन आर्या, बिमला देवी, शालू जैन व सुनीता दलाल आदि उपस्थित रही। सातवें दिन छात्राओं ने क्विज कार्यक्रम में हिस्सा लिया। अपना फीडबैक भी दिया। प्रिंसिपल विजय सिंह के अनुसार यह समर कैंप छात्राओं के लिए बेहद लाभदायक रहा।

सुरजेवाला ने विदेश नीति पर मोदी सरकार को घेरा

■ राज्यसभा सांसद सुरजेवाला ने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने राहुल गांधी के दौरे के बाद हरियाणा में कांग्रेस संगठन के पुनर्गठन को लेकर अनभिज्ञता जाहिर की। स्वयं को पार्टी का कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि इसका जवाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान या प्रभारी हरिप्रसाद ही दे सकते हैं। उनसे इस बारे में कोई मशविरा फिलवक्त तक नहीं किया गया है। रविवार को बहादुरगढ़ में

बहादुरगढ़। पत्रकारों से बात करते सांसद रणदीप सुरजेवाला। फोटो :हरिभूमि

पत्रकारों से बात करते हुए दुर्भाग्य से चुनाव आयोग सरकारी पिट्ठू बन गया है। जिस देश में चुनाव आयोग सरकारी पिट्ठू बन जाता है, वहां प्रजातंत्र खतरे में पड़ जाता है। उनके अनुसार राहुल गांधी ने केवल महाराष्ट्र की वोटर लिस्ट का डाटा मांगा है। वहां विधानसभा और लोकसभा चुनाव के 60-70 दिन के अंतराल में 50 लाख वोटर बढ़ना सवाल खड़े करता है। रणदीप ने बताया कि उन्होंने दिल्ली में केस दायर किया था और आदेश होने के बावजूद भी महाराष्ट्र सीईओ ने वोटर लिस्ट उपलब्ध नहीं करवाई है। रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि देश के लोगों का आजादी की जंग में महात्मा गांधी ने नेतृत्व किया था। लेकिन उनसे नफरत करने वाले कुछ लोगों ने आजादी की जंग में हिस्सा लेने की बजाय अंग्रेजों का साथ दिया था। उन्होंने कहा कि ऐसी विभाजनकारी ताकतें लगातार समाज में जहर घोल रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी को आंख और कान खोलने की नसीहत देते हुए रणदीप सुरजेवाला ने बहा कि यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल ने पाकिस्तान को एंटी टेररिज्म कमेटी का वाइस चेयरमैन बनाया है। आतंकवाद का प्रमुख पोसक देश पाकिस्तान है। इस मौके पर डॉ. विपिन सांगवान और कांग्रेस नेता बिजेंद्र माजरा आदि मौजूद रहे।

समर कैंप में विद्यार्थियों को करवाया पंजाब की संस्कृति से परिचित

झज्जर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तुम्बाहेड़ी में आयोजित सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैंप रविवार को संपन्न हो गया। सहगामी क्रियाओं के प्रमुख हिंदी अध्यापक सत्यवान ने बताया कि विद्यालय प्राचार्य संजीव कुमार खत्री के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में विद्यार्थियों ने भाषा कौशल सीखने के अलावा आपसी वार्तालाप, कल, नृत्य, पेंटिंग, सादा भोजन, सब्जियां, रहन-सहन के तरीके, इतिहास, नदियों, पर्वत व ऐतिहासिक पर्यटक स्थलों के बारे में विस्तृत जानकारी हासिल की। विद्यार्थियों को पंजाब राज्य की संस्कृति से परिचित कराते हुए पंजाबी भाषा की वर्णमाला, गिनती के बारे में भी जानकारी दी गई। शिविर में छठी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों की सहभागिता रही। इस दौरान मंजीत कुमार, प्रवीन कुमार, जितेंद्र, प्रदीप, संजय कुमार, मुकेश कुमार, मैनपाल, अशोक कुमार, मंजू देवी, रवीना, विनोद कुमारी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं ने माता रानी के दरबार में नतमस्तक होकर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की

मेरी राम जी से कह देना जय सिया राम...

■ लड्डू गोपाल की मनमोहक झांकी प्रस्तुत कर भक्तों का मन मोह लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

श्री दुर्गा भवन मंदिर में माता की चौकी का आयोजन किया गया। समिति के सदस्यों ने गुबारों और फूलों से माता का भव्य दरबार सजाया। श्रद्धालुओं ने माता रानी के दरबार में नतमस्तक होकर परिवार की सुख समृद्धि की कामना करते हुए भजनों का आनंद लिया। इस दौरान लड्डू गोपाल की मनमोहक झांकी प्रस्तुत कर भक्तों का मन मोह लिया। मंदिर समिति के प्रधान इंद्रसेन जुनेजा ने बताया कि 12वें मूर्ति स्थापना दिवस के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में माता की चौकी, हवन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने मां भगवती के भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया गया। शनिवार रात्रि मां भगवती की ज्योत प्रज्वलित कर चौकी का शुभारंभ किया। पुनीत सुखीजा, रवि शर्मा, अमित कटारिया, देवेश शर्मा, मनमोहन मीनू शर्मा ने शिव गोरा तेरा लाडला गणेश मनावा..सांसों की माला से सिमरू मैं तेरा नाम..कीजो केसरी के

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान भजन प्रस्तुत करते हुए गायक कलाकार मीनू शर्मा। फोटो :हरिभूमि

लाल मेरा छोटा से काम मेरी राम जी कह देना जय सिया राम.. फटया कलेजा मेरा फिर भी मैं रोई ना..सहित भजन गायकों ने अपनी मधुरवाणी से मां भगवती का गुणगान कर श्रद्धालुओं को नाचने पर मजबूर कर दिया। मां के जयकारों से पंडाल गूंजता रहा। इस मौके पर झंग सभा के प्रधान कृष्ण शर्मा, पार्षद प्रतिनिधि नवीन बिट्टू छाबड़ा, अमित पोपली, मुकेश तनेजा, नीरज पोपली, अजय विज, हरीश कत्याल, जितेंद्र मिगलानी, रोहित बतरा, हरबंस पोपली, राकेश अरोड़ा, जगदीश गेरा, राजकुमार तनेजा, सुभाष बिंद्रा, गुलशन सतीजा, नरेंद्र कत्याल, अशोक पोपली, रोकी बिंद्रा, दीपक, विशाल बिंद्रा, सुरेंद्र कत्याल, रविंद्र पोपली, प्रवीन सतीजा, अशोक गोगिया सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सूरज कॉलेज की बीसीए की छात्रा रिया शर्मा ने विश्वविद्यालय में पाया तीसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

रिया शर्मा

मनीषा

इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर रेवाड़ी द्वारा फाइनल सेमेस्टर के परिणाम में सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। कॉलेज निदेशक संदीप प्रसाद ने भी परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि बीसीए फाइनल सेमेस्टर की छात्रा रिया शर्मा पुत्री नरेंद्र कुमार ने 81.60 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त करते हुए कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इसी कोर्स के छात्र आशीष पुत्र कुलदीप सिंह ने 74.00 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में छात्र विवेक कुमार पुत्र दिनेश कुमार ने 68.60 प्रतिशत, हर्ष पुत्र नरेश ने 68.00 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं बीएससी आनर्स फिजिक्स फाइनल सेमेस्टर की छात्रा मनीषा यादव पुत्री सुरेंद्र सिंह ने 88.00 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में नौवां स्थान प्राप्त करते हुए कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में छात्रा अंशु पुत्री सत्यवान ने 80.22 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय स्थान पाया।

प्रशासन के अतिक्रमण हटाओ अभियान में आर्यसमाज भी करेगा भरपूर सहयोग

रविवार को साप्ताहिक वैदिक यज्ञ के बाद आर्यसमाजियों ने लिया संकल्प

- न स्वयं करेंगे अतिक्रमण, औरों को भी करेंगे प्रेरित
- आर्य समाज के दस नियमों को जीवन में उतारने का आह्वान
- समाज से हम जिन व्यवस्थाओं की उम्मीद करते हैं, उनसे पहले हमें स्वयं उसकी शुरुआत करनी होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। यज्ञ में आहुति डालते हुए आर्यजन। फोटो : हरिभूमि

शहर में बीते करीब एक सप्ताह से जारी अतिक्रमण हटाओ अभियान में झज्जर का आर्य समाज भी प्रशासन का सहयोग करेगा। आर्य समाज से जुड़े सभी सदस्यों ने संकल्प लिया है कि वे स्वयं न तो अपने घरों, दुकानों व प्रतिष्ठानों पर अतिक्रमण करेंगे बल्कि बेवजह अतिक्रमण वाले लोगों को ऐसा न करने के लिए लोगों को प्रेरित करेंगे। आर्य समाज के संरक्षक पूर्व विधायक एडवोकेट अजीत सिंह कादियान के आह्वान पर सभी आयोजनों ने यह संकल्प रविवार को लिया। रविवार को आर्य समाज द्वारा ब्रह्मचारी इंद्रजीत के ब्रह्मत्व में आयोजित साप्ताहिक वैदिक यज्ञ के बाद एडवोकेट अजीत सिंह ने उपस्थित आर्यों को संबोधित किया। एडवोकेट अजीत सिंह ने कहा कि महर्षि दयानंद द्वारा दिए गए आर्य समाज के दस नियम मनुष्य को संस्कारवान और चरित्रवान बनाते है। उन्होंने कहा कि इन नियमों का पालन करते हुए हम तभी श्रेष्ठ आर्यसमाजी बन सकते है जब हम समाज में स्वच्छता और पारस्परिक सद्भावना के प्रति अपने कर्तव्यों को समझें। उन्होंने कहा कि समाज से हम जिन व्यवस्थाओं की उम्मीद करते हैं, उनसे पहले हमें स्वयं उसकी शुरुआत करनी होगी। इस मौके पर आर्य समाज के प्रधान राजीव, मंत्री लाला प्रकाशवीर आर्य, रमेश सैनी, गौतम प्रकाश आर्य, आत्मप्रकाश, अंकित, विनीत सैनी, जितेंद्र बरानी सहित अन्य आर्यजन उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री ने रजत पदक विजेता कशिश मलिक को किया सम्मानित

बहादुरगढ़। कशिश मलिक को सम्मानित करते मंत्री रणबीर गंगवा व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

- गांव डाबोदा खुर्द में सम्मान समारोह का आयोजन

रविवार को गांव डाबोदा खुर्द में एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में रजत पदक विजेता कशिश मलिक के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने शिरकत की। गंगवा ने कहा कि हरियाणा शिक्षा, खेल सहित हर क्षेत्र में अग्रणी है। प्रदेश के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं।

सम्मान समारोह के आयोजक राजेंद्र मलिक ने कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा का स्वागत किया। गंगवा ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में आज देश और प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रदेश की सड़कों का सुधार किया जा रहा है। सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे खेलों में बढ़ चढ़ कर भाग ले। उन्होंने अपने कोष से विजेता खिलाड़ी कशिश मलिक को 31 हजार रुपये देने की घोषणा की। साठी 11 जून को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के गांव माजरा दूबलधन स्थित जटेला धाम पर आयोजित कार्यक्रम का निमंत्रण दिया। विधायक राजेश जून ने कशिश मलिक को बधाई देते हुए जीवन में खेल के साथ पढ़ाई में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने निजी कोष से पदक विजेता को 11 हजार रुपए देने की घोषणा की।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, पूर्व चेयरमैन सतवीर वर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता संजय कबलाना, पूर्व जिलाध्यक्ष बिजेंद्र दलाल, राजेन्द्र मलिक, जिला पार्षद संजय दलाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संदीप मलिक, सुरेश मलिक, रमेश पहलवान, राज सिंह मलिक, लोकेश मलिक, मंजीत सिंह आदि उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

झज्जर। शिविर के समापन पर लड्डू वितरण करते हुए शिक्षक।

विद्यार्थियों को पंजाबी एवं फ्रेंच का ज्ञान दिया

झज्जर। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाकला में आयोजित भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन कैंप के समापन पर प्राचार्य वेद प्रकाश ने मुख्य रूप से शिरकत की। उन्होंने बताया कि इस कैंप में विद्यार्थियों को अन्य राज्यों की भाषाएं सीखने का मौका मिला। इससे राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलता है। कैंप में विद्यार्थियों को पंजाबी तथा फ्रेंच भाषाएं सिखाई गईं। दोनों भाषाओं के अल्फाबेटस, शब्द तथा प्रतिदिन प्रयोग में आने वाले कुछ सामान्य वाक्यों को अध्यापकों ने प्रैक्टिकली फल-फ्रूट, सब्जियां, रंगों के नाम, दिनों के नाम आदि के चार्ट तथा सामान लेकर विद्यार्थियों को बोलकर तथा लिखकर बताया गया।

ब्रह्मशक्ति अस्पताल में रक्तदान शिविर 14 को

बहादुरगढ़। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर शनिवार 14 जून को शहर के ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। अस्पताल के मैनेजर विक्की शर्मा ने बताया कि शनिवार सुबह 9 बजे से 3 बजे तक शिविर लगाया जाएगा।

धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजनों से समाज में बढ़ता है भाईचारा : शर्मा

- कैबिनेट मंत्री डॉक्टर अरविंद शर्मा ने श्रीश्याम बाबा के दरबार में माथा टेका व आशीर्वाद लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान बाबा का भजन सुनाते हुए डॉक्टर अरविंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

श्री अखंड ज्योति मंदिर एवं धर्मशाला द्वारा शनिवार को 16वें श्रीश्याम जागरण एवं भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉक्टर अरविंद शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। मंदिर कमेटी प्रधान पंडित सुभाष दीवान ने बताया कि गायक कलाकारों द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुति देते हुए श्री श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया गया।

बाबा का आलौकिक श्रृंगार, मन भावन दरबार, छप्पन भोग, अखंड ज्योति व साज-सज्जा आकर्षण का केंद्र रहे। इस दौरान पुजारी राज कुमार मिश्रा, आजाद दीवान, ब्रजमोहन कौशिक, बालकिशन गुप्ता, सोमवीर अत्री, मनोज कौशिक, मनोज दीवान, गोपाल दीवान, भारत दीवान, मंदीप दीवान, राजू हलवाई सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मुख्यातिथि ने सुनाया भजन : कार्यक्रम में मुख्यातिथि कैबिनेट मंत्री डॉक्टर अरविंद शर्मा ने सबसे पहले श्रीश्याम बाबा के दरबार में माथा टेका व आशीर्वाद लिया। बाद में अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से जहां एकता व भाईचारे की भावना बढ़ती है वहीं युवाओं का रुझान भी धार्मिक आयोजनों में बना रहता है। उन्होंने स्वयं एक भजन सुनाते हुए बाबा की महिमा का गुणगान किया।

आमजन विकास सेवा समिति ने लगाया शिविर, 124 युवाओं ने किया रक्तदान

झज्जर। आम जन विकास सेवा समिति द्वारा जिले के गांव सासरौली में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। समिति अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने बताया कि शिविर का शुभारंभ मुख्यातिथि जिला पार्षद शिव कुमार खोरड़ा व विशिष्ट अतिथि राकेश जाखड़ द्वारा किया गया। समिति संरक्षक मुकेश कुमार गर्ग ने बताया कि शिविर में 124 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। अतिथियों द्वारा रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। शिविर के समापन पर समिति सदस्यों द्वारा सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर जिला पार्षद संजय कुमार, ग्राम सरपंच अनिल, आशू देव भारद्वाज, सन्नी कुमार, सुंदर, बाबूलाल, संदीप कुमार, अमरीत शर्मा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साह बढ़ाते हुए मुख्यातिथि। फोटो : हरिभूमि

संपर कैंप में छात्रों को सिखाई बगैर बर्तनों के भोजन बनाने की कला

- कैंप में स्कूल के 103 प्रतिभागियों ने भाग लेते हुए विभिन्न भाषाओं के संबंध में ज्ञान अर्जित किया

झज्जर। पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दादरी तोए में आयोजित भारतीय भाषा समर कैंप के समापन पर प्राचार्य डॉक्टर राजेंद्र व सरस्वती ने मुख्य रूप से शिरकत की। कैंप में स्कूल के 103 प्रतिभागियों ने भाग लेते हुए विभिन्न भाषाओं के संबंध में ज्ञान अर्जित किया। कैंप के दौरान विद्यार्थियों ने प्राथमिक चिकित्सा सहायता, प्राकृतिक आपदा प्रबंधन, आर्ट एंड क्राफ्ट, पेंटिंग, नृत्य, भारतीय व्यंजन, बिना बर्तनों के खाने बनाना, भारत के भौतिक स्वरूप, नदियों व पर्वत तथा स्वतंत्रता सेनानियों बारे जानकारी दी गई। इसके अलावा भारतीय संस्कृति की रूपरेखा, श्रवण कलाएं व स्काउटिंग एवं गाईडिंग की विभिन्न विधाओं से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। इस मौके पर सीमा, डीओसी गाइड मैनावंती, सुनील कुमार, कुलदीप सांगवान, सुनीता कुमारी, सोनिया, सुमन लता, इंद्रजीत सिंह, कमल सिंह, कप्तान सिंह, नरेश कुमार, प्रमिला, रविंद्र कुमार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

रेखाचित्र के माध्यम से किया संमुद्री जीवों की रक्षा का आह्वान

- आठ जून को मनाया जाता है विश्व महासागर दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। भदाना गांव की चौपाल में बनाया गया रंगोली रेखाचित्र। फोटो : हरिभूमि

गांव भदाना की चौपाल में भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा व अंशुल शर्मा द्वारा विश्व महासागर दिवस के उपलक्ष्य में एक विशाल रेखाचित्र के माध्यम से महासागरों की विशेषता को प्रदर्शित किया। मुकेश शर्मा ने बताया कि विश्व महासागर दिवस आठ जून को प्रतिवर्ष संपूर्ण विश्व में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। उन्होंने इस दौरान संमुद्री जीवों का चित्र बनाकर लोगों से उनकी रक्षा करने का आह्वान किया।

केंद्रीय मंत्री से मिली स्ट्रेंथ लिफ्टिंग टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान से मुलाकात करते नीरज शर्मा व अन्य।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भारतीय स्ट्रेंथ लिफ्टिंग टीम के खिलाड़ियों को थाइलैंड में होने वाली 12वीं वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप के लिए शुभकामनाएं दी। साथ ही टीम में चयन होने पर सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।भारतीय स्ट्रेंथ लिफ्टिंग टीम के खिलाड़ियों ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान से मुलाकात की।

इस दौरान भारतीय टीम के मैनेजर लक्ष्मण सिंह भंडारी, सहसचिव महेश श्योराण व चीफ कोच संदीप कड़वासरा शामिल थे। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से मेडल जीत कर देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य कोच संदीप कड़वासरा ने बताया कि 12वीं वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप के लिए चयनित भारत की टीम में सब जूनियर, जूनियर, सीनियर और मास्टर श्रेणियों में लगभग 80 खिलाड़ी शामिल हैं। देश के लगभग सभी राज्यों के खिलाड़ी इस टीम में शामिल हैं। टीम ऑफिशियल में बहादुरगढ़ के नीरज शर्मा भी शामिल हैं। उन्होंने भी भारतीय स्ट्रेंथ लिफ्टिंग फेडरेशन के अध्यक्ष प्रमोद सामर, सचिन बाबुल, विकास प्रतानाबीस, सुब्रता मानना, मनोज सिंह, चंद्रेश सोनी, हेमा दरजी भूतिया, आरजू कुमार सिंह, सूरज सिंह, कर्मवीर आदि के साथ केंद्रीय मंत्री से भेंट की।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

सम्मान समारोह | विद्यार्थियों के अभिभावक भी उपस्थित रहे

शिक्षा गौरव सम्मान समारोह में 256 मेधावी विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत

झज्जर। रविवार को कार्यक्रम के दौरान उपस्थित होनहार विद्यार्थी एवं स्टॉफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

- यह सम्मान केवल अंकों का नहीं, बल्कि उस कठोर परिश्रम, अनुशासन व समर्पण का : विधायक

रविवार को संस्कारम-शिक्षा गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान बारहवीं कक्षा में साठ व उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः दस बजे बीएसएम स्कूल बहादुरगढ़ में विधायक राजेश जून द्वारा किया गया। समारोह में 256 मेधावी विद्यार्थियों को मुख्यातिथि द्वारा प्रशस्ति-पत्र, मेडल, उपहार-सामग्री देकर कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल अंकों का नहीं, बल्कि उस कठोर परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का है जो आप सभी ने अपनी पढ़ाई के प्रति दिखाया है। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉक्टर महिपाल ने कहा कि उनके संस्थान का प्रयास है कि योग्य विद्यार्थियों को न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी सशक्त बनाया जा सके।

समारोह में रहा अभिभावकों और शिक्षकों का उत्साह : समारोह के दौरान विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके अभिभावक एवं शिक्षक भी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सुनते ही पूरे सभागार में तालियों की गूंज सुनाई दी। कई अभिभावकों ने विश्वविद्यालय द्वारा की गई इस पहल की सराहना करते हुए इसे एक स्मरणीय और प्रेरणादायक अनुभव बताया।

इस दौरान विश्वविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक विभागों बारे भी जानकारी दी गई। शिक्षकों ने बताया कि संस्कारम विश्वविद्यालय में वर्तमान समय की आवश्यकता अनुसार इंजीनियरिंग, प्रबंधन, विधि, स्वास्थ्य विज्ञान, कृषि, पशु चिकित्सा, पत्रकारिता, मानविकी, हॉस्पिटैलिटी, कौशल विकास आदि संकायों में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा दी जा रही है। आधुनिक प्रयोगशालाएं, अनुभवी फैकल्टी, और अत्याधुनिक तकनीकी संसाधन विद्यार्थियों को उत्कृष्ट मंच प्रदान कर रहे हैं।

ऑस्कर सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का उद्घाटन

बहादुरगढ़। ऑस्कर सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का उद्घाटन करते रणदीप सुरजेवाला। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के एमआईई में रविवार को ऑस्कर सुपर स्पेशलिटी अस्पताल एवं ट्रामा सैंटर का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला, विधायक राजेश जून, मुंडका से विधायक गजेंद्र दराल, पूर्व विधायक नरेश कौशिक, पूर्व विधायक नरेश शर्मा, कांग्रेस नेता अशोक मलिक, कृष्ण पहलवान, सतपाल राठी, रमेश राठी आदि उपस्थित रहे।

राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने फीता काटकर अत्याधुनिक ऑस्कर अस्पताल का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने डॉ. विपिन सांगवान समेत अस्पताल प्रबंधन को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित इस अस्पताल के बहादुरगढ़ में खुलने से क्षेत्रवासियों के लिए चिकित्सा सुविधा में इजाफा होगा। ऑस्कर ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ विपिन सांगवान ने बताया कि यहां नवीनतम चिकित्सा उपकरण, विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम और उच्च गुणवत्ता की सेवाएं उपलब्ध हैं। अस्पताल आम जनता को सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं देगा। ऑस्कर अस्पताल में एक ही छत के नीचे मरीजों को जांच से लेकर इलाज तक की संपूर्ण सुविधा मिलेगी। अस्पताल में कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, जनरल सर्जरी, डेंटल, पेडियाट्रिक्स और आईसीयू सहित सभी सुविधाएं किफायती दरों पर उपलब्ध कराई गई हैं।